कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

हैप्पी सीडर

क्षमता : 1 एकड़/घण्टा	अनुमानित मूल्य: 1,25000 से 1,40000
अश्व शक्ति: 50 एच.पी या अधिक	अनुदान राशि: वित्तिय वर्ष 2016–17 अनु. जाति/अनु. जनजाति/ स्त्री/लघु/ सीमान्त किसान — मूल्य का %50 अधिकतम 63000 रु. | अन्य लाभार्थी — मूल्य का %40 अधिकतम 50000 रु.

1. धान की पराली को आग लगाने से होने वाले बड़े पैमाने से प्रदूषण की रोकथाम एवं भूमि के स्वास्थय में आ रही गिरावट को इस मशीन के प्रयोग से रोका जा सकता है।
2. कम्बाईन काटे धान के खेतों में पराली को बिना खेत बाने से सीधी बिजाई अच्छी तरह से करती है।
3. धान कटे खेतों में पराली को इस मशीन के साथ काट कर मल्ज रूपी खेत में रखने से जैविक खाद भूमि में मिलती है।
4. पराली का बचा हुआ मल्ज रूपी सतह में खेत में होने से पानी की नमी ज्यादा समय बनी रहती है एवं नदीन कम पैदा होता है।
5. बिना बुहाई हैप्पी सीडर से गेहूँ की सीधी बिजाई करने से **800-1000** रु. तक की बचत होती है।

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

जीरो टिल सीड – कम – फर्टीलाईजर ड्रिल

क्षमता : 1 एकड़/घण्टा	अनुमानित मूल्य: 30,000 से 40,000
अश्व शक्ति: 35 एच.पी या अधिक	अनुदान राशि: वित्तिय वर्ष 2016–17 अनु. जाति/अनु. जनजाति/ स्त्री/लघु/ सीमान्त किसान — मूल्य का %50 अधिकतम 15000 रु. | अन्य लाभार्थी — मूल्य का %40 अधिकतम 12000 रु.

1. इस विधि द्वारा गेहूं की बिजाई पर धान के फाने जलाने नहीं पड़ते। फाने चाहे कितने भी बड़े क्यों न हों उसी में ही गेहूं की बिजाई हो जाती है। जिससे भूमि की उर्वरा शक्ति व सरंचना उत्तम बनी रहती है
2. इस विधि द्वारा गेहूं की बिजाई करने पर गेहूं की बिजाई करने पर गेहूं पर जमाव बढ़िया व दो दिन पहले होता है तथा पौधे ज्यादा स्वस्थ व गहरे हरे रंग के निकलते है।
3. इस विधि से बिजाई के बाद पहला पानी लगाने पर गेहूं के पौधे पीले नहीं पड़ते।
4. इससे 7–8 बार खेत की जुताई का खर्च जोकि लगभग 1000 से 1200.रूपये तक होता है, जिससे बच जाता है।
5. जीरोटिल मशीन द्वारा गेहू की बिजाई करने में मन्डूसी का 30 से 40 प्रतिशत कम जमाव होता है। क्योंकि इस मशीन द्वारा भूमि के साथ कम से कम छेड़छाड़ होती है 4 से 5 से.मी. गहरे पड़े बीज नही जमते।

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

मल्चर

क्षमता : 1 एकड़/घण्टा	अनुमानित मूल्य: 1,50,000 से 1,75,000
अश्व शक्ति: 50 एच.पी या अधिक	अनुदान राशि: वित्तिय वर्ष 2016–17 अनु. जाति/अनु. जनजाति/ स्त्री/लघु/ सीमान्त किसान — मूल्य का %50 अधिकतम 63000 रु. | अन्य लाभार्थी — मूल्य का %40 अधिकतम 50000 रु.

1. फसल अवशेष धान की पराली इत्यादि को काट कर उनके टुकड़े करता है। जिससे कि फाने जलाने नहीं पड़ते। उपरोक्त कृषि यन्त्र के उपयोग से फानों में आग लगाने की वजह से पर्यावरण तथा भूमि के स्वास्थ्य को होने वाले नुकसान से बचाव कर सकते हैं।
2. धान की कटाई के बाद गेहुँ की तुरन्त बुवाई को सरल बनाता है।
3. भूमि में उपलब्ध पौषक तत्वों व जीवाणुओं को संरक्षित करता है।
4. मल्चर के उपयोग से मिट्टी में मौजूद नमी संरक्षित होती है।
5. फसल अवशेष जैसे पराली, पत्तियां व डंठल आदि मिट्टी में घुलकर जैविक खाद बन जाते हैं।

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

रिवर्सिबल प्लो

क्षमता : 1 एकड़/घण्टा	अनुमानित मूल्य: 90,000 से 1,75,000
अश्व शक्ति: 50 एच.पी या अधिक	अनुदान राशि: वित्तिय वर्ष 2016–17 अनु. जाति/अनु. जनजाति/ स्त्री/लघु/ सीमान्त किसान — मूल्य का %50 अधिकतम 44000 रु. | अन्य लाभार्थी — मूल्य का %40 अधिकतम 35000 रु.

1. फसल अवशेष धान की पराली इत्यादि को जलाने से पर्यावरण को होने वाले नुकसान से बचाता है।
2. गहरी जुताई करके फसल अवशेष को मिट्टी में अच्छी तरह दबा देता है।
3. मृदा की जल धारण व जल ग्रहण क्षमता को बढ़ाता है।
4. मृदा में मौजूद हानिकारक कीटाणुओं को नष्ट करता है।
5. खरपतवार के बीजों को नष्ट करके खरपतवार को नियंत्रित करता है।

फसल अवशेष प्रबन्धन उपाय अपनायें। पर्यावरण को प्रदूषण से बचाये। भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ाये। धरती से सोना उगलाये।

1. **खाद बनायेः** (Compost)
   - स्थानीय विधि से फसल अवशेषों में यूरिया का स्प्रे करके खाद बनाए।
   - किसान छिद्रयुक्त टैंक (Perforated Tank) में लैब में प्रयुक्त होने वाले Constorium को प्रयोग करके खाद बनाये।
   - खुले में खाद बनाये। ➢ खड्डे में खाद बनाये।

2. **फसल अवशेष को मिट्टी मे मिलाये** (in situ Decomposition)
   निम्न कृषि यंत्रो द्वारा फसल अवशेष को मिट्टी मे मिलाये, अवशेषों को धरती माता का आहार बनाये।
   - एस.एम.एस. या स्ट्रा चोपर से फसल अवशेषों को बारीक टुकडो मे काटकर भूमि पर फैलाये। तत्पश्चात हैप्पी सीडर द्वारा गेहू की सीधी बिजाई करें।
   - फसल अवशेष को Mulcher द्वारा मिट्टी मे मिलाये। Reversible plough द्वारा फसल अवशेष को मिट्टी मे दबाये। अपघटन (Decompose) द्वारा खाद बनाये।
   - स्ट्रा चोपर, हे–रैक, स्ट्रा बेलर का प्रयोग करकें फसल अवशेष की गॉठे बनाये और आमदनी बढाये।
   - जीरो ड्रील, रोटावेटर, रीपर–बाईन्डर व अन्य स्थानीय उपयोगी व सस्ते कृषि यन्त्रों को भी फसल अवशेष प्रबन्धन हेतू अपनाये।

3. **ऊर्जा बनायें** : (Renewable Energy)
   फसल अवशेष की गांठो को बायोमासॅ प्लॉट, बायोगैस प्लॉट, एथेनोल प्लॉट मे पहुचाये और प्रति एकड़ 3000 से 4000 रु कमायें।
4. **बायोचार बनाये** : (Biochar)
   किसान भाई भट्ठी (Furnace) का प्रयोग करके बायोचार (एक प्रकार का कच्चा कोयला) बनाये। बायोचार का खाद के रुप में प्रयोग करके, भूमि का थोक घनत्व (Bulk Denisity) एवं छिद्रता (Porosity) बढा कर अधिक उपज पाये।
5. **घरेलू प्रयोग** : (Domestic use)
   बेलर – गीजर में पानी गर्म करने के लिये प्रयोग करे।
   छतो पर इन्सूलेशन (Insulation) द्वारा कमरो को गर्म व ठण्डा रखे।
   फसल अवशेष की गॉठों से पशुओ का चारा (साइलेज) बनाये।
   पशुओ के लिये बिछावन (Bed) के रुप में प्रयोग करे।
6. **उद्योगों में उपयोग** : (Industrial use)
   किसान आस–पास के राईस मिल, गत्ता फैक्टरी, पेपर मिल, कॉच व सैनेटरी के सामान को पैक करने वाली उद्योग व अन्य जरुरत के कारखानो को बेचकर पैसा कमायें और अपनी आमदनी बढाये।
7. कृषि एवं किसान कल्याण विभाग हरियाणा की विभिन्न स्कीमों की विस्तृत जानकारी हेतु विभाग की वैबसाईट www.agriharyana.in एवं www. agriharyana.nic.in पर सम्पर्क करें।

स्ट्रा चोपर

हैप्पी सीडर

मल्चर

रिवर्सिबल प्लो

स्ट्रा कटर

हे रेक

स्ट्रा बेलर

रिपर बाइन्डर

स्ट्रा रिपर

जीरो टिल सीड • कम • फर्टीलाईजर ड्रिल

रोटावेटर